पाठ - 1

वह चिड़िया जो (केदारनाथ अग्रवाल)

शब्दार्थ :

जुंडी	-	जौ , बाजरे की बालियाँ
रूचि	-	चाहत , पसंद
मुँहबोली	-	चिर , परिचित
विजन	-	एकांत , सुनसान
गरबीली	-	गर्वीली , अभिमान से भरी हुई
उँड़ेलकर	-	डालकर

प्रश्नोत्तर :-

प्रश्न -1 वह चिड़िया जो' कविता के आधार पर बताइए कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है ?

उत्तर - चिड़िया को अन्न से प्यार है , वह दूधिया व अधपके जुंडी के दाने बड़े मन से खाती है। उसे विजन से प्यार है, एकांत वन में वह बड़े उमंग से मधुर स्वर में गाती है । चिड़िया को नदी से भी प्यार है । वह नदी की बीच धारा से जल की बूंदे अपनी चोंच में लेकर उड़ जाती है । यह चीज़ें उसे आज़ादी का एहसास दिलाती हैं । इसलिए वह इन सबसे प्यार करती है ।

प्रश्न -2 आशय स्पष्ट कीजिए –

(क) रस उँडेल कर गा लेती है |

उत्तर - प्रस्तुत पंक्ति पाठ्यपुस्तक वसंत से ली गई है । इसके रचयिता केदारनाथ अग्रवाल हैं| प्रस्तुत पंक्ति में कवि यह कहना चाहते हैं कि चिड़िया मधुर स्वर में गाती है । उसके स्वर (आवाज) की मधुरता वातावरण में रस घोल देती है ।

(ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर,
जल का मोती ले जाती है |

उत्तर - प्रस्तुत पंक्ति में कवि चिड़िया के साहस के बारे में बता रहे हैं। कवि कहते हैं कि चिड़िया जल से भरी उफनती नदी के बीच से अपनी चोंच में पानी की बूँद लेकर उड़ जाती है । ऐसा लगता है जैसे वह नदी के ह्रदय से मोती लेकर उड़ी जा रही है।

(ग) कवि ने चिड़िया को छोटी, संतोषी, मुँहबोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है?

उत्तर - चिड़िया छोटे आकार की थी और किसी भी बात को बोलने से नहीं झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटी और मुँहबोली कहा है । वह संतोषी स्वभाव की है । अतः कवि उसे संतोषी कहता है । चिड़िया को अपने कार्यों पर गर्व है क्योंकि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफलतापूर्वक कर जाती है । यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है ।

प्रश्न - 3 चिड़िया के माध्यम से कवि क्या सन्देश देना चाहता है ?

उत्तर - चिड़िया के माध्यम से कवि प्रसन्नता से जीने का सन्देश देता है । कवि कहना चाहते हैं कि हमें थोड़े में संतोष करना चाहिए । अधिक की लालसा नहीं रखनी चाहिए । इस कविता में अकेलेपन में भी उमंग से रहने का सन्देश दिया गया है । इसके साथ ही कवि हमे बताते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें साहस नहीं खोना चाहिए तथा अपनी क्षमता को पहचानना चाहिए ।

पाठ - 2

बचपन (लेखिका - कृष्णा सोबती)

शब्दार्थ :

सख्त - कठोर

सैर - भ्रमण / घूमना

शताब्दी - सौ वर्षों की अवधि

कमतर - दूसरों से कम

खीजना - चिढ़ना

प्रश्न -1 लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या - क्या काम करती थीं ?

उत्तर - लेखिका इतवार की सुबह पहले अपने मोज़े धोती थीं फिर जूते पोलिश करके कपड़े या ब्रुश से रगड़कर चमकाती थीं ।

प्रश्न -2 तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है ।' यह कहकर लेखिका क्या -क्या उदाहरण देती हैं ?

उत्तर - लेखिका के अनुसार आज और कल के समय में जो दूरी है वो इस प्रकार है उस समय मनोरंजन – का साधन ग्रामोफ़ोन था, परन्तु आज उसका स्थान रेडियो और टेलीविजन ने ले लिया है । पहले बच्चे कुलफ़ी खाना पसन्द किया करते थे, परन्तु आज उसकी जगह आइसक्रीम ने ले ली है । उस समय खाने में केवल कचौड़ी - समोसे होते थे, आज उनकी जगह पैटीज़ ने ले ली है। शहतूत, फ़ालसे और खसखस के शरबत का स्थान आजकल पेप्सी और कोक ने ले लिया है । यही वो दूरी है जो लेखिका ने बताई है ।

प्रश्न - 3 लेखिका अपने बचपन में कौन - कौन - सी चीजें मजा ले लेकर खाती थीं ? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखिए ।

उत्तर - लेखिका बचपन में चाकलेट खाना बहुत पसंद करती थीं । वो हमेशा रात में खाने के बाद अपने बिस्तर में आराम व मज़े लेते हुए चाकलेट खाती थीं । इसके अलावा लेखिका को चनाजोर गरम, काफ़ल, रसभरी, कसमल और चेस्टनट बहुत पसन्द थे ।

प्रश्न - 4 लेखिका बचपन में कैसी पोशाक पहना करती थीं ?

उत्तर - लेखिका ने बचपन में पहनी गई फ्रॉक में से तीन का वर्णन किया है -एक नीली पीली धारी वाला फ्रॉक था , जिसका कॉलर गोल था । दूसरा हल्के गुलाबी रंग का बारीक चुन्नटों वाला घेरदार फ्रॉक था ,जिसमें गुलाबी फ्रिल लगी हुई थी । लेमन कलर के बड़े प्लेटों वाले गर्म फ्रॉक का जिक्र भी लेखिका ने अपने संस्मरण में किया है ।

प्रश्न - 5 लेखिका को शिमला रिज की याद क्यों आती है ?

उत्तर - बचपन में लेखिका कृष्णा सोबती जी ने शिमला रिज में बहुत यादगार समय बिताया है इसलिए इसकी याद उनके जीवन का महत्त्वपूर्ण अध्याय है । वहाँ उन्होंने घोड़ों की सवारी की थी | उन घोड़ों को देखकर वे हँसा करती थीं क्योंकि उनके ननिहाल के घोड़े बड़े हृष्ट -पुष्ट और खूबसूरत थे । अँधेरा होने के बाद बत्तियों की रौशनी में रिज की रौनक देखते ही बनती थी । वो यादें आज भी उनके दिलो - दिमाग में छाई हैं इसलिए लेखिका को शिमला रिज की याद बहुत आती है |

पाठ - 3

नादान दोस्त

प्रेमचंद

शब्दार्थ :

कार्निस	-	छज्जा
जिज्ञासा	-	जानने की इच्छा
हिफाज़त	-	सुरक्षा
आहिस्ता से	-	धीरे से
कसूर	-	गलती
यकायक	-	अचानक

प्रश्न - 1 केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी ?

उत्तर - केशव और श्यामा का मन पाक साफ था। वह भूलकर भी चिड़िया के अंडों को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहते थे । इतना जरूर था कि उन्हें उनके बारे में कुछ भी पता नहीं था । उन्हें लगता था कि चिड़िया के अंडों को कोई तकलीफ न हो । वह दोनों इस बात से अंजान थे कि चिड़िया अपने बच्चों की सुरक्षा खुद करने में सक्षम है । वह उन्हें सभी परेशानियों से बचा सकती है । जब बच्चों ने चिड़िया के अंडों को ऐसे रखे हुए देखा तो उन्हें बुरा लगा । इसके बाद उन्होंने अंडों को उठाया और कपड़े की गद्दी पर रख दिया । केशव और श्यामा को यह बात नहीं पता थी कि अंडों को अगर कोई भी छू ले तो चिड़िया फिर उन्हें सेती नहीं है । इसी वजह से चिड़िया आखिर में अंडों को गिराकर चली गई ।

प्रश्न - 2 अंडों के बारे में दोनों आपस ही में सवालजवाब करके अपने दिल को- तसल्ली क्यों दे दिया करते थे ?

उत्तर - केशव और श्यामा की माता जी घर के कामों में बहुत व्यस्त रहती थीं और उनके पिता के पास पढ़ाईलिखाई का कार्य हुआ करता था- । उन दोनों के सवालों का जवाब देने के लिए कोई नहीं था इसलिए वे स्वयं ही एक दूसरे के सवालों का जवाब देकर तसल्ली दे दिया करते थे ।

प्रश्न - 3 अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे ?

उत्तर - केशव और श्यामा के दिल में तरहतरह के सवाल उठते- । अंडे कितने बड़े होंगे ? अंडे कैसे हैं ? किस रंग के हैं ? उनमें से बच्चे कैसे निकलेंगे ? उनके सवालों के जवाब देने के लिए अम्माँ और बाबूजी के पास फुरसत नहीं थी। इसलिए दोनों बच्चे आपस में सवाल जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दे दिया करते थे |

प्रश्न - 4 माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए ? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया ?

उत्तर - माँ के सोते ही केशव और श्यामा अंडों की रक्षा के लिए टोकरी व दाना - पानी रखने के लिए बाहर निकल आये | परन्तु जब उन दोनों को बिस्तर पर न पाकर माँ बाहर आ गईं तो दोनों चुप हो गए क्योंकि अगर माँ को पता चलता कि वे क्या कर रहे हैं तो उनकी पिटाई हो जाएगी | इसलिए किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण नहीं बताया |

प्रश्न - 5 प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम क्यों रखा 'नादान दोस्त' ?

उत्तर - नादान दोस्त का अर्थ है - नासमझ साथी। केशव और श्यामा चिड़िया के ऐसे ही नासमझ साथी थे , जिनकी गलती के कारण चिड़िया के अंडे नष्ट हो गए उन्हें अपना बसेरा छोड़कर जाना पड़ा। अंडों की रक्षा करने के प्रयास में उनके द्वारा की गई नादानी ने उनके दोस्तों को परेशानी में डाल दिया। अतः लेखक द्वारा दिया गया शीर्षक सटीक है।

पाठ - 4 चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

शमशेर बहादुर सिंह

शब्दार्थ :

स्मित - चारों दिशाओं
गोकि - यानि
निरा - एकदम
मरज - बीमारी
पोशाक - वस्त्र ,कपड़े

प्रश्न -1 चाँद से गप्पें कौन लड़ा रहा है ? वह चाँद से क्या बातें कर रही है ?
उत्तर - एक दस - ग्यारह साल की लड़की चाँद से गप्पें लड़ा रही है | वह चाँद से उसके आकार - प्रकार और उसकी पोशाक के बारे में बातें कर रही है |

प्रश्न -2 चाँद की पोशाक के बारे में कविता में क्या कहा गया है ?
उत्तर - चाँद ने पूरे आकाश को अपनी पोशाक बना लिया है, जिसमें तारे जड़े हैं | इस पोशाक में चाँद इस तरह लिपटा हुआ है कि उसके बीच से केवल गोल - मटोल चेहरा ही दिखाई देता है |

प्रश्न -3 लड़की चाँद के घटने - बढ़ने का क्या कारण बताती है ?
उत्तर - लड़की कहती है कि चाँद किसी बीमारी से ग्रस्त होने के कारण घटता - बढ़ता रहता है |

प्रश्न -4 'चाँद से थोड़ी-सी गप्पें' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए |
उत्तर - कविता में एक दस-ग्यारह साल की लड़की चाँद से गप्पें लड़ा रही है | वह चाँद से कहती है कि आप गोल हैं पर तिरछे नजर आते हैं | आपका वस्त्र पूरा आकाश है जिसमें तारे जड़े हैं , आप घटते हैं तो घटते ही चले जाते हैं, फिर पूरी तरह गायब हो जाते हैं, फिर बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं, आपकी यह बीमारी ठीक ही नहीं होती है |

पर्यायवाची शब्द

पर्यायवाची शब्द का अर्थ बताते हुए व्याकरण 'निपुण' से 1 - 20 पर्यायवाची नोटबुक में करवाये जाएंगे |
पर्यायवाची शब्द

परिभाषा :-किसी शब्द विशेष के समान अथवा एक -सा अर्थ बताने वाले शब्द को पर्यायवाची शब्द कहते हैं ।

1 अग्नि -आग ,अनल ,पावक ,ज्वाला

2 अतिथि -मेहमान ,पाहुना ,अभ्यागत

3 अनोखा -अपूर्व ,अनुपम अद्भुत ,अद्वितीय

4 असुर -दानव ,निशाचर ,राक्षस ,दैत्य

5 अहंकार -गर्व ,दर्प ,घमंड ,अभिमान

6 आँख -नेत्र ,नयन ,चक्षु ,लोचन

7 आकाश - नभ ,गगन ,अम्बर ,व्योम

8 आनंद - उल्लास ,ख़ुशी ,प्रमोद ,हर्ष

9 आभूषण -गहना ,अलंकार ,भूषण ,विभूषण

10 इच्छा - आकांक्षा ,अभिलाषा ,कामना ,चाह

11 ईश्वर -परमात्मा ,प्रभु ,भगवान् ,जगदीश

12 उन्नति -उत्कर्ष ,तरक्की ,विकास ,उत्थान

13 उपवन -बाग़ ,बगीचा ,उद्यान ,वाटिका

14 कमल - पंकज ,जलज ,अरविन्द ,सरसिज

15 कपड़ा - पट ,चीर ,वस्त्र ,वसन

16 किनारा -तट ,पुलिन ,कूल ,तीर

17 किरण - मयूख ,रश्मि ,अंशु ,मरीचि

18 गणेश - लम्बोदर ,गजानन ,गणपति ,विनायक

19 घर - गृह ,सदन ,भवन ,आलय

20 घोड़ा - अश्व ,घोटक ,तुरंग ,हय

(पेज न. 41)

विलोम शब्द

विलोम शब्द का सामान्य परिचय देते हुए व्याकरण निपुण से 1 - 20 विलोम नोटबुक में लिखिए |

विलोम शब्द 1 से 20 तक

सामान्य परिचय - उल्टे अर्थ वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं |

अंधकार	-	प्रकाश
अग्रज	-	अनुज
अधिक	-	कम
अनिवार्य	-	ऐच्छिक
अनुराग	-	विराग
अपना	-	पराया
अल्प	-	अधिक
अल्पायु	-	दीर्घायु
आकर्षण	-	विकर्षण
आकाश	-	पाताल
आदर	-	अनादर
आदान	-	प्रदान
आयात	-	निर्यात
आरम्भ	-	अंत
आरोह	-	अवरोह
आलस्य	-	स्फूर्ति
आस्तिक	-	नास्तिक
इच्छा	-	अनिच्छा
इच्छित	-	अनिच्छित
उचित	-	अनुचित

वचन

परिभाषा :- शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है ,उसे वचन कहते हैं।

वचन के प्रकार :- **(1) एकवचन**

(2) बहुवचन

(1) एकवचन :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक होने का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं|

(2) बहुवचन :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं|

वचन परिवर्तन :- एकवचन से बहुवचन बनाना

- **अ के स्थान पर एँ :-**

  पुस्तक - पुस्तकें

  रात - रातें

  आँख - आँखें

- **आ के स्थान पर ए लगाकर :-**

  कपड़ा - कपड़े

  बच्चा - बच्चे

  रास्ता - रास्ते

- **आ के स्थान पर एँ :-**

  सभा - सभाएँ

  कन्या - कन्याएँ

  कविता - कविताएँ

- **इ /ई के स्थान पर इयाँ लगाकर :-**

  मक्खी - मक्खियाँ

  नदी - नदियाँ

  मछली - मछलियाँ

- **कुछ शब्दों के अंत में गण, वृंद, जन, वर्ग, दल, आदि शब्द जोड़कर :-**

कवि	-	कविगण
पंछी	-	पंछीवृंद
गुरु	-	गुरुजन

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों में से रेखांकित शब्दों के वचन लिखिए :-

(क) <u>वह</u> अपने नाना के घर गया | .....

(ख) मेज़ पर <u>केले</u> रखे हैं | .....

(ग) <u>नेतागण</u> बहुत भ्रष्ट होते हैं | .....

(घ) <u>मुझे</u> पीने के लिए पानी दो | .....

(ङ) उन सभी <u>लड़कों</u> को बुलाओ | .....

(च) <u>बंदर</u> पेड़ पर बैठे हैं | .....

प्र : 2 निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए :-

▶ पैसा	.....	पक्षी	.....
▶ पेंसिल	.....	जल	.....
▶ दरवाजा	.....	चींटी	.....
▶ पुस्तक	.....	महिला	.....
▶ बच्चा	.....	गौ	.....

संज्ञा

परिभाषा :- किसी व्यक्ति ,वस्तु ,स्थान अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं |

संज्ञा के भेद :- 1. व्यक्तिवाचक

2. जातिवाचक

3. भाववाचक

1.व्यक्तिवाचक :- जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति ,वस्तु ,स्थान या प्राणी का बोध कराते हैं ,वे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं |

गुंजन गीत गा रही है |

जयपुर सुंदर शहर है |

2.जातिवाचक :- जो संज्ञा शब्द किसी प्राणी या वस्तु की पूरी जाति का बोध कराते हैं ,उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं |

पेड़ पर बंदर उछल रहे हैं |

बच्चे खेल रहे हैं |

3.भाववाचक :- जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण ,दोष ,दशा ,अवस्था आदि का बोध कराए ,उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं |

राम और श्याम में गहरी मित्रता है |

मोटापा स्वास्थ्य के लिय हानिकारक है |

भाववाचक संज्ञा बनाने के नियम :-

- जातिवाचक संज्ञा शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना -

जातिवाचक	-	भाववाचक
मनुष्य	-	मनुष्यता
मित्र	-	मित्रता
पशु	-	पशुता
बच्चा	-	बचपन

- सर्वनाम शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना -

सर्वनाम	-	भाववाचक
अपना	-	अपनत्व
मम	-	ममत्व
पराया	-	परायापन

- विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना -

विशेषण	-	भाववाचक

गरीब - गरीबी

वीर - वीरता

मोटा - मोटापा

नम्र - नम्रता

- क्रिया शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना -

क्रिया - भाववाचक

पढ़ना - पढ़ाई

लड़ना - लड़ाई

कमाना - कमाई

- अव्यय शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना -

अव्यय - भाववाचक

निकट - निकटता

शाबाश - शाबाशी

दूर - दूरी

अभ्यास कार्य :-

प्र :1 निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक रूप लिखिए:

शब्द	**भाववाचक संज्ञा**	**शब्द**	**भाववाचक संज्ञा**
मानव		सर्व	
पशु		मम	
बहाव		चलना	
शत्रु		प्रभु	
शिशु		भाई	
सेवक		निज	
कमाना		निर्धन	
चतुर		कायर	

प्र :2 निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर उनके भेद लिखिए :-

(क) राम का घोड़ा दौड़ रहा है |

(ख) उसकी बहन अनुराधा खेल रही है |

(ग) बुढ़ापे में शरीर दुर्बल हो जाता है |

(घ) पेड़ पर बन्दर फल खा रहा है |

(ड़) ताजमहल आगरा में स्थित है |

(च) पार्क में चारों ओर हरियाली छाई है |

प्र :3 निम्नलिखित शब्दों में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञा शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए :-

वीरता, हाथी, दिल्ली, शत्रुता, घोड़ा, हिमालय, गुरुता, अध्यापक, बचाव, नेता, कुतुबमीनार, महात्मा गाँधी |

.....

.....

संज्ञा के विकारक तत्व - लिंग

लिंग :- संज्ञा शब्द के जिस रूप में पुरुष जाति या स्त्री जाति का बोध होता है उसे लिंग कहते हैं ।

लिंग के भेद :-

(1) पुल्लिंग

(2) स्त्रीलिंग

(1) पुल्लिंग :- पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं ; जैसे- दादा, पुत्र, पिता, शेर, सेठ आदि |

(2) स्त्रीलिंग :- स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं ; जैसे- दादी, पुत्री, माता, शेरनी, सेठानी आदि |

लिंग बदलने के प्रमुख नियम :-

- *ई जोड़कर*

पुल्लिंग	**-**	**स्त्रीलिंग**
पुत्र	-	पुत्री
लड़का	-	लड़की
बकरा	-	बकरी

- *इन जोड़कर*

पुल्लिंग	**-**	**स्त्रीलिंग**
सुनार	-	सुनारिन
लुहार	-	लुहारिन
धोबी	-	धोबिन

- *नी जोड़कर*

पुल्लिंग	**-**	**स्त्रीलिंग**
ऊँट	-	ऊँटनी
मोर	-	मोरनी
शेर	-	शेरनी

- *इका जोड़कर*

पुल्लिंग	-	**स्त्रीलिंग**
शिक्षक	-	शिक्षिका
नायक	-	नायिका
लेखक	-	लेखिका

- *आनी जोड़कर*

पुल्लिंग	–	**स्त्रीलिंग**
देवर	–	देवरानी
नौकर	–	नौकरानी
सेठ	–	सेठानी

- *अ को आ करके*

पुल्लिंग	–	**स्त्रीलिंग**
प्रिय	–	प्रिया
छात्र	–	छात्रा
शिष्य	–	शिष्या

- *आइन जोड़कर*

पुल्लिंग	–	**स्त्रीलिंग**
ठाकुर	-	ठकुराइन
पंडित	–	पंडिताइन

- *अन्य*

कवि	–	कवयित्री
सम्राट	-	सम्राज्ञी
विद्वान्	–	विदुषी

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों में से रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य को दोबारा लिखिए :-

(क) <u>सम्राट</u> सिंहासन पर बैठे हैं |

.....

(ख) इस फिल्म में <u>नायक</u> ने अच्छा अभिनय किया |

.....

(ग) यह <u>कवि</u> बहुत विद्वान है |

.....

(घ) <u>नौकर</u> स्वादिष्ट खाना बनाता है |

.....

(ङ) बाजार में एक <u>भिखारी</u> भीख माँग रहा है |

.....

(च) <u>सिंह</u> जंगल में रहता है |

.....

(छ) हमारे <u>आचार्य</u> जी बहुत अच्छा पढ़ाते हैं |

.....

अनौपचारिक पत्र

(i) अपने जन्मदिन पर मित्र को आमंत्रित करते हए पत्र लिखिए |

अभ्यास हेतु

(ii) अपने विद्यालय {दिल्ली पब्लिक स्कूल } का वर्णन करते हए अपनी माँ को पत्र लिखिए |

बाल रामकथा : पूरक पुस्तक

पाठ 1 : अवधपुरी में राम

प्रश्न -1 राजा दशरथ कैसे शासक थे ? उन्हें क्या दुःख था ?

उत्तर - राजा दशरथ एक कुशल योद्धा तथा न्यायप्रिय शासक थे | वे यशस्वी थे | उन्हें किसी चीज की कमी नहीं थी | लेकिन उन्हें दुःख था कि उनकी कोई संतान नहीं थी |

प्रश्न -2 राजा दशरथ ने राम को जाने की अनुमति कैसे दे दी ?

उत्तर - मुनि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को राम की शक्ति के विषय में बताया | उनसे रघुकुल की रीति का पालन करते हुए अपना वचन निभाने को कहा | उन्होंने यह भी कहा की विश्वामित्र के साथ रहकर राम उनसे अनेक विद्याएँ सीख सकेंगे | उनके समझाने पर दशरथ राम को भेजने के लिए तैयार हो गये |

प्रश्न - 3 अयोध्या किस राज्य कि राजधानी थी ?

उत्तर - अयोध्या कोशल राज्य की राजधानी थी |

.....

पाठ 2 : जंगल और जनकपुर

प्रश्न -1 वन में विश्वामित्र ने राम -लक्ष्मण को कौन -कौन-सी विद्याएँ सिखाई ?

उत्तर विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को बला-अतिबला नामक विद्याएँ सिखाई जिसे सीखने के बाद निद्रावस्था में भी कोई उन पर प्रहार नहीं कर सकता था|

प्रश्न -2 सुंदरवन का नाम 'तड़का वन' कैसे पड़ गया?

उत्तर सुंदरवन नदी के पार था| यह अत्यंत घना और दुर्गम जंगल इसी वन में ताड़का नामक राक्षसी रहती थी जिसके, डर से वहाँ कोई नहीं आता- जाता था | जो भी उधर आता ताड़का उस पर अचानक हमला करके मार डालती थी | उसके भय एवं आतंक के कारण ही सुंदरवन का नाम ताड़का-वन पड़ गया|

प्रश्न3 - मारीच क्यों क्रोधित था ?

उत्तर - राम ने मारीच की माँ ताड़का का वध किया था , इसलिए वह क्रोधित था |

……
……..

पाठ 3 : दो वरदान

प्रश्न1: मंथरा ने रानी कैकेयी को क्या सलाह दी ?

उत्तर: मंथरा ने रानी कैकेयी से कहा कि यदि राम का राज्याभिषेक हुआ तो भरत राम के दास बन जाएंगे | राम की माता कौशल्या राजमाता होंगी तथा कैकेयी का सम्मान कम हो जाएगा | अतः अच्छा है कि कैकेयी समय रहते राजा दशरथ से उनके द्वारा दिए दो वचन माँग ले | पहले वचन में भरत का राज्याभिषेक तथा दूसरे वचन में राम के लिए चौदह(14)वर्ष का वनवास |

प्रश्न2: राजा दशरथ राम को ही युवराज क्यों बनाना चाहते थे ?

उत्तर: राम अपने चारों भाइयों में बड़े थे| सीता स्वयंवर के बाद जब राम अयोध्या वापस आए तब दशरथ ने उन्हें राज-काज में शामिल करना शुरू कर दिया था | राम भी अपनी जिम्मेदारी भली प्रकार से निभा रहे थे राम| विनम्रताविद्वता, तथा पराक्रम में अद्वितीय थे दरबार|में उनका सम्मान बढ़ता देख राजा दशरथ राम को युवराज बनाना चाहते थे |

……
……

पाठ - 5 अक्षरों का महत्त्व

पाठ का वाचन व् स्पष्टीकरण

'अक्षरों का महत्त्व 'मौखिक पाठ है | इसका वाचन व् स्पष्टीकरण कक्षा में किया जायेगा |

……

पाठ 6 पार नजर के

पाठ का वाचन व् सरलीकरण

शब्दार्थ :-

हथियाना - हासिल कर लेना

खैरियत - कुशलता

किस्म - प्रकार

मंशा - इच्छा

दरख्वास्त - आवेदन ,प्रार्थना

प्रश्न -उत्तर

प्रश्न :1 छोटू को सुरंग में जाने की इजाजत क्यों नहीं थी ? बताइए

उत्तर : सुरंग का रास्ता जमींन के उप्पर जाता था | वहां के वातावरण में आम आदमी बिना सुरक्षा -उपकरणों के जीवित नहीं रह सकता था | इसके अतिरिक्त सुरंग में भी कई तरह के यंत्र लगे हुए थे वहां केवल उन यंत्रों की देखभाल करने वाले लोग ही जाते थे | यही कारण था की छोटू को सुरंग में जाने की इजाजत नहीं थी |

प्रश्न :2 कंट्रोल रूम में छोटू ने क्या देखा और वहां उसने क्या हरकत की ?

उत्तर : कंट्रोल रूम में छोटू को अन्तरिक्ष यान क्रमांक -एक साफ़ नजर आ रहा था |मगर उसका ध्यान उस कोंसोल पैनल पर था ,जिस पर कई बटन लगे हुए थे| उन रंग - बिरंगे बटनों को छोटू दबाकर देखना चाहता था | अंतत: वह अपनी बाल सुलभ इच्छा को रोक नहीं पाया और उसने लाल बटन दबा दिया |उसकी इस हरकत के कारण अन्तरिक्ष यान-1 का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया |

प्रश्नं :3 कहानी में अन्तरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों ?

उत्तर : कहानी में अन्तरिक्ष यान को पृथ्वी गृह पर स्थित (नासा) नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने मंगल गृह की मिट्टी के नमूने लाने के लिए भेजा था |मंगल गृह पर जीवों का अस्तित्व है या नहीं यह जानने के लिए अन्तरिक्ष यान को मंगल गृह पर भेजा गया था |

.....

शब्द - निर्माण

उपसर्ग

परिभाषा :- वे शब्दांश जो शब्द के पहले जुड़कर उनके अर्थ को बदल देते हैं,उपसर्ग कहलाते हैं |

जैसे - वि + जय = विजय स + बल = सबल

1. संस्कृत के उपसर्ग

उपसर्ग	**-**	**शब्द**
अ	-	अधर्म ,अन्याय ,असत्य
आ	-	आजन्म ,आजीवन ,आगमन

अप - अपमान ,अपयश ,अपवाद

अति - अतिरिक्त ,अतिशय ,अत्यंत

प्रति - प्रतिकूल ,प्रतिध्वनि ,प्रतिकार

कु - कुमार्ग ,कुपुत्र ,कुकर्म

2. हिंदी के उपसर्ग

उपसर्ग - शब्द

अन - अनपढ़ , अनमोल , अनजान

नि - निडर ,निहत्था ,निकम्मा

भर - भरपेट ,भरपूर ,भरसक

3. उर्दू के उपसर्ग

उपसर्ग - शब्द

बे - बेदाग , बेक़सूर , बेरहम

हर - हररोज , हरदम , हरपल

ला - लाइलाज ,लापरवाह ,लाजवाब

अभ्यास प्रश्न :- पाठ्यपुस्तक निपुण में से अभ्यास प्रश्न -1 , 2 , 3 और 4 नोटबुक में करवाया जाएगा | प्रश्न 3 , 5 पाठ्यपुस्तक में करवाए जाएंगे |

प्रत्यय

<u>परिभाषा</u> :- वे शब्दांश जो शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता लाते हैं या अर्थ को बदल देते हैं उसे प्रत्यय कहते हैं |

प्रत्यय - शब्द

वाला - रखवाला , पढ़नेवाला , गानेवाला

आई - बुनाई , लिखाई , पढ़ाई

दार - देनदार , लेनदार

आ - जागा , भागा , देखा

अन - मिलन , जलन

आवा - दिखावा , बुलावा , छलावा

इया - छलिया , घटिया , बढ़िया

ता - रोता , उगता , सोता

कर - देखकर , भूलकर , सुनकर

ना - गाना , खाना , रोना

अभ्यास प्रश्न :- प्रश्न 2 , 3 , 4 को नोटबुक में करवाया जाएगा |

पाठ:7 साथी हाथ बढ़ाना

कविता का सरलीकरण व व्याख्या

शब्दार्थ :-

परबत – पर्वत

सीस – सिर

फौलादी – लोहे सी मजबूत

नेक – भला

कतरा – बूँद

प्रश्न -1 "सागर ने रस्ता छोड़ा ,परबत ने सीस झुकाया |"साहिर ने ऐसा क्यों कहा है ? लिखो |

उत्तर :एकता और संगठन में इतनी शक्ति होती है कि बड़ी से बड़ी रूकावटों को भी दूर किया जा सकता है | सागर को पार करना और पर्वत की चढ़ाई करना कठिन कार्य है किन्तु संगठन की शक्ति के द्वारा इन कार्यों को भी सहजता से किया जा सकता है| हमारे इतिहास व आस –पास के जीवन में अनेक ऐसे प्रसंग हैं जिनमे सामुहिक रूप से कार्य करके कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकता है |इसलिए कवि ने "सागर ने रस्ता छोड़ा ,परबत ने सीस झुकाया |" कहा है |

प्रश्न -2 'साथी हाथ बढ़ाना 'कविता हमे क्या प्रेरणा देती है ?

उत्तर 'साथी हाथ बढ़ाना 'कविता हमें मिल -जुल कर काम करने एक दूसरे की सहायता करने ,देश हित में सोचने तथा म्हणत करने की प्रेरणा देती है | यह कविता एकता व संगठन के महत्तव को स्पष्ट करती है साथ ही संपूर्ण देशवासियों को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करती है |

प्रश्न - 3 गीत में सीने और बाँहों को फौलादी क्यों कहा गया है ?

उत्तर : कवि ने मनुष्य की शक्तियों को असीम बताते हुए निरंतर आगे बढ़ने को कहा है | ईश्वर ने हमारी बाँहों और सीने को अपार ताकत प्रदान की है | यह ताकत हवाओं का रुख मोड़ सकती है और असाध्य को भी साध्य कर सकती है यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस शक्ति का प्रयोग किस प्रकार करते हैं | भीतर समाहित इन शक्तियों के कारण कवि ने सीने व बाँहों को फौलादी कहा है |

प्रश्न - 4 मिल -जुल कर काम करने से क्या लाभ है ?

उत्तर - मिल -जुल कर काम करने से कठिन कार्य भी सरल हो जाता है ,काम में समय भी कम लगता है | इसके अलावा सहयोग व स्नेह की भावना का विकास होता है | समाज में समरसता बढ़ती है | लोगों में काम के प्रति उत्साह बना रहता है और उत्साह व लगन से कार्य करने पर देश की उन्नति की सम्भावना अधिक बढ़ जाती है इसलिए कविता में मिल - जुल कर काम करने के लिए कहा गया है |

पाठ - 8 ऐसे -ऐसे

लेखक (विष्णु प्रभाकर)

विधा - एकांकी

शब्दार्थ :

बैचैन - परेशान

कल - चैन

बला - मुसीबत

खुराक - खाने की मात्रा

चोंगा - फोन का रिसीवर

प्रश्न -उत्तर

प्रश्न :1 माँ मोहन के ऐसे - ऐसे कहने पर क्यों घबरा रही थी ?

उत्तर : मोहन के पेट में दर्द था | वह रह - रहकर कराहता था और बेचैनी में करवटें बदलता था | पूछने पर बस यही कहता था कि उसके पेट में ऐसे - ऐसे हो रहा है | माँ समझ नहीं पा रही थी कि आखिर यह बीमारी कौन -सी है | उन्हें मोहन के चेहरे का रंग उड़ा सा लगता था | यही कारण था कि मोहन के ऐसे -ऐसे कहने पर माँ घबरा रही थी |

प्रश्न - 2 मोहन की माँ यह क्यों कहती है कि 'हँसी की हँसी , दुःख का दुःख |'

उत्तर : मोहन से बार -बार पूछने पर भी किसी को पेट में किस तरह का दर्द हुआ है, वह पूछने पर बस यही कहता है कि पेट में ऐसे -ऐसे हो रहा है | उसकी बात सुनकर माँ हँस पड़ती है |लेकिन मोहन इस दर्द से परेशान है वह कराह रहा है और बेचैन है | उसके चेहरे का रंग भी उत्तर गया है | उसकी तकलीफ देखकर माँ दुखी है | इसलिए वह कहती है - 'हँसी की हँसी , दुःख का दुःख |'

प्रश्न- 3 स्कूल के काम से बचने के लिए मोहन ने कई बार पेट में 'ऐसे - ऐसे' होने के बहाने बनाए | मान लो ,एक बार उसे सचमुच पेट में दर्द हो गया और उसकी बातों पर लोगों ने विश्वास नहीं किया ,तब मोहन पर क्या बीती होगी ?

उत्तर - बहाने बनाने वाले लोगों को अपनी गलती का ज्ञान तब होता है जब सच में उन्हें समस्या का सामना करना पड़ता है | मोहन के पेट में सचमुच दर्द हो जाए और लोग उसकी बातों पर विश्वास न करें ,तब जाकर मोहन को पता चलेगा कि झूठ बोलने से क्या नुक्सान होता है | संभवतः उसे अपनी आदत पर पछतावा होगा और वह भविष्य में कभी झूठ न बोलने का वादा करे |

प्रश्न - 4 मोहन पेट दर्द का बहाना क्यों बनाता है ?

उत्तर -मोहन ने छुट्टी का पूरा महीना खेल - कूद कर आनंद मनाते हुए बिताया था | जब छुट्टी का मात्र एक दिन बचता है तब उसे अचानक याद आता है कि उसका स्कूल का काम पूरा नहीं है इसलिए स्कूल जाने से बचने के लिए मोहन पेट दर्द का बहाना बनाता है |

.....

अनेकार्थक शब्द

व्याकरण निपुण से 1 से 15 तक अनेकार्थक शब्द नोटबुक में लिखवाए जाएंगे | (पेज न. 56)

1. अंक - गिनती के अंक , नाटक के अंक , गोद

2. अक्षर - वर्ण , सत्य , जल , शिव , गगन

3. अर्थ - धन , ऐश्वर्य , हेतु , प्रयोजन

4. अलि - भ्रमर , पक्ति ,कोयल

5. आराम - विश्राम ,बाग , सुख - चैन

6. आदर्श - योग्य , शीशा , उदाहरण , मूल लेख

7 . उत्तर - जवाब , उत्तर दिशा , हल

8. कनक - सोना , धतूरा , गेहूँ

9. कर - हाथ , टैक्स , किरण , करना (क्रिया)

10. कल - बीता हुआ दिन , आने वाला दिन , चैन

11. काल - समय , मृत्यु , यमराज

12. गुण - खूबी , स्वभाव , रस्सी

13. घन - बादल , घना , घटा , हथौड़ा

14. घर - मकान , कुल , कार्यालय

15. चीर - वस्त्र , रेखा , चीरना

मुहावरे

व्याकरण निपुण से मुहावरे नोटबुक में लिखवाए जाएंगे | **पेज न**- . 173 ,174

1. **अंग - अंग ढीला होना** - बहुत थक जाना

- सुबह से क्रिकेट के मैदान में भाग - दौड़ करते हुए मेरा अंग - अंग ढीला हो गया है |

2. अंधे की लकड़ी - एकमात्र सहारा

- श्रवण अपने माँ - बाप की अंधे की लकड़ी था |

3. अक्ल का दुश्मन - मूर्ख

- राहुल की समझ में कुछ नहीं आता | लगता है वह तो अक्ल का दुश्मन है |

4. **आँखें फेर लेना** - बदल जाना

- करिश्मा ने पता नहीं क्यों मुझसे आँखें फेर ली हैं |

5. **आँखों का तारा** - बहुत ही प्यारा

- करण अपनी माँ की आँखों का तारा है |

6. **आँखों में धूल झोंकना** - धोखा देना

- आतंकवादी ने सबकी आँखों में धूल झोंककर बस को बम से उड़ा दिया |

7. **आकाश के तारे तोड़ना** - असंभव कार्य करना

- मेहनती व्यक्ति चाहे तो आकाश के तारे तोड़ सकता है |

8. **आकाश - पाताल एक करना** - बहुत परिश्रम करना

- कक्षा में प्रथम आने के लिए अनीता ने आकाश एक कर दिया |

9. **कमर कसना** - तैयार होना

- अब तो परीक्षा की तैयारी के लिए रमेश ने कमर कस ली है |

10. **कान कतरना** - बहुत चतुर होना

- छोटे भाई को बच्चा मत समझें , वह तो बड़े - बड़ों के कान कतरता है |

11. किस्मत खुलना - भाग्य चमकना

- जब से गिरीश ने नई दुकान खोली है , उसकी तो किस्मत खुल गई है |

12. खून खौलना - बहुत गुस्सा आना

- अपने देश पर आक्रमण होते देख किसका खून नहीं खौलता |

.....

पाठ : 4 राम का वनगमन

प्रश्न -1 सभी अयोध्यावासी रात भर क्यों जगे रहे ?

उत्तर - कोपभवन के घटनाक्रम की जानकारी किसी को नहीं थी फिर भी सभी अयोध्यावासी रात भर जगे रहे कैकेयी भरत को राज दिलाने और राम को वन भेजने की अपनी जिद्द पर अड़ी थी और दशरथ उन्हें मनाने के लिए प्रयास कर रहे थे इसलिए वे दोनों जाग रहे थे| नगरवासी राज्याभिषेक की तैयारी में जाग रहे थे |और मुनि वशिष्ठ को राम के राज्याभिषेक की प्रतीक्षा में नींद नहीं आ रही थी |

प्रश्न -2 राम के चरित्र से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर: राम धीरवीर, तथा अत्यंत पराक्रमी थे इनके साथ विनम्रता , उदारता, आज्ञाकारिता जैसे गुण भी उनमें कूट-कूट कर भरे थे| जब कैकेयी ने भरत के लिए राजगद्दी तथा राम के लिए चौदह वर्ष का वनवास माँगा तो राम ने इसे सहर्ष स्वीकार कर लिया| राम के चरित्र से हमें माता- पिता की आज्ञा का पालन करने तथा परिजनों व अनुजों के प्रति स्नेह रखने की प्रेरणा मिलती है |

.....

पाठ - 5 चित्रकूट में भरत

प्रश्न -1 अयोध्या नगरी को देखकर भरत के मन में क्या भाव उठे ?

उत्तर : अयोध्या नगरी को भरत ने दूर से देखा तो चिंतित हो उठे |नगर उन्हें सामान्य नहीं लगा |सब कुछ बदला हुआ-सा था | अनिष्ट की आशंका उनके मन में और गहरी हो गई |उन्होंने कहा -"यह मेरी अयोध्या नहीं है |क्या हो गया इसे ?सड़कें सूनी हैं |बाग़-बगीचे उदास हैं |इतनी चुप्पी क्यों छाई हुई हैं ?किसी ने भी भरत के उत्तरों का जवाब नहीं दिया |

प्रश्न -2 भरत के चरित्र से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर : भरत के चरित्र से हमें त्याग , भातृ - प्रेम और नीति के अनुसार आचरण करने की शिक्षा मिलती है |

....

पाठ -6 दंडक वन में दस वर्ष

प्रश्न -उत्तर

प्रश्न -1 जटायु कौन था ? राम -लक्ष्मण से वह कहाँ मिला ?

उत्तर : जटायु एक विशालकाय गिद्ध था | वह दशरथ का मित्र था | राम -लक्ष्मण से उसकी भेंट पंचवटी के मार्ग में हुई |

प्रश्न -2 राम की कुटी के समीप आकर मारीच ने क्या किया ?

उत्तर :राम की कुटी के समीप आकर मारीच ने सोने के हिरण का रूप धारण कर लिया तथा कुटी के आस - पास घूमने लगा |

अनुच्छेद लेखन

सत्संगति - संकेत बिंदु ,भूमिका ,अर्थ ,संगति का प्रभाव ,सत्संगति के लाभ ,उपसंहार |

अभ्यास हेतु

अनुशासन - संकेत बिंदु ,भूमिका ,अनुशासन का अर्थ ,जीवन में महत्त्व ,विद्यार्थी जीवन पर प्रभाव ,उपसंहार |

....

..

चित्र वर्णन -

व्याकरण निपुण के पृष्ठ संख्या 220 से चित्र वर्णन नोटबुक में करवाया जाएगा |

xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx